



Mr.Gupta



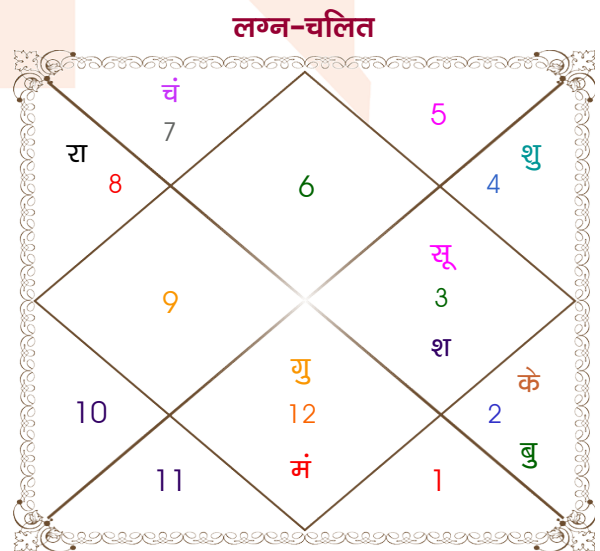
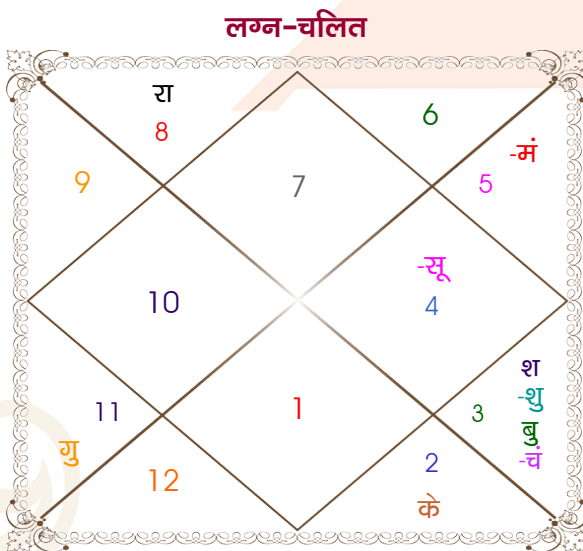
Ms.goel

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119651102

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ स्त्रीलिंग _____
 17/07/1974 : _____ जन्म तिथि _____ 19/06/1975
 बुधवार : _____ दिन _____ गुरुवार _____
 घंटे 13:45:00 : _____ जन्म समय _____ 13:23:00 घंटे
 घटी 20:27:37 : _____ जन्म समय(घटी) _____ 19:58:57 घटी
 India : _____ देश _____ India
 Delhi : _____ स्थान _____ Delhi
 28:39:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ 28:39:00 उत्तर
 77:13:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ 77:13:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:21:08 : _____ स्थानिक संस्कार _____ -00:21:08 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ 00:00:00 घंटे
 05:33:57 : _____ सूर्योदय _____ 05:23:25
 19:20:09 : _____ सूर्यास्त _____ 19:21:11
 23:30:23 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ 23:31:06

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 3वर्ष 2मा 16दि		16:21:34	तुला	लग्न	कन्या	17:23:21	राहु 14वर्ष 5मा 3दि	
शनि		00:52:27	कर्क	सूर्य	मिथु	03:54:55	बुध	
03/10/2011		00:32:53	मिथु	चंद्र	तुला	09:18:49	21/11/2024	
03/10/2030		00:06:08	सिंह	मंगल	मीन	27:57:37	21/11/2041	
शनि	06/10/2014	12:07:19	मिथु	बुध व	वृष	21:53:58	बुध	20/04/2027
बुध	15/06/2017	24:12:32	कुंभ व	गुरु	मीन	26:24:03	केतु	16/04/2028
केतु	25/07/2018	01:52:53	मिथु	शुक्र	कर्क	19:16:51	शुक्र	15/02/2031
शुक्र	23/09/2021	17:00:00	मिथु	शनि	मिथु	25:37:31	सूर्य	22/12/2031
सूर्य	05/09/2022	25:32:26	वृश्चि व	राहु	वृश्चि	07:14:48	चन्द्र	23/05/2033
चन्द्र	06/04/2024	25:32:26	वृष व	केतु	वृष	07:14:48	मंगल	20/05/2034
मंगल	15/05/2025	00:15:17	तुला	हर्ष व	तुला	04:58:35	राहु	06/12/2036
राहु	21/03/2028	13:36:53	वृश्चि व	नेप व	वृश्चि	16:26:02	गुरु	14/03/2039
गुरु	03/10/2030	10:51:03	कन्या	प्लूटो	कन्या	12:57:51	शनि	21/11/2041



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सर्प	महिष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	तुला	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतण्ळनचजं का वर्ग मार्जार है तथा Ms.goel का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्ळनचजं और Ms.goel का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्ळनचजं मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Ms.goel मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।

न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Ms.goel की कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डतण्ळनचजं कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्ळनचजं तथा Ms.goel में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

